Date 12/11/2024

सेवा में,

प्राचार्य जी

जनता कालेज बकेवर, इटावा

<u>विषय</u>: किसान गोष्ठी/प्रशिक्षण के सन्दर्भ में,

महोदय,

निवेदन है कि आपके निर्देश के क्रम दिनांक 13.11.2024 समय दोपहर 1.00 बजे से रावे आवंटित गाँव-परसूपुरा में किसान गोष्ठी/प्रशिक्षण प्रस्तावित है। जिसमें प्रशिक्षण देने के लिए विषय विशेषज्ञ/प्राध्यापक नामित किए जाने हैं।

अतः आपसे अनुरोध है कि उक्त किसान गोष्ठी/प्रशिक्षण की अनुमति देने के साथ विषय विशेषज्ञ/प्रशिक्षक (प्राध्यापक) नामित करने की कृपा करें।

धन्यवाद

भवदीय

[signature] 12.11.2024

(डा० एम. पी. सिंह)

प्रभारी किसान गोष्ठी/प्रशिक्षण

जनता कालेज बकेवर इटावा

[signature]

नामित प्राध्यापक/प्रशिक्षक

1. Prof. P K Rajput [signature]
2. Prof M P Singh [signature]
3. Prof M K Yadav
4. Dr Sanjeev [signature]
5.

[signature] 12/11/24

जनता कालेज, बकेवर, इटावा
ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (RAWE)

राष्ट्र पटल

इटावा, शुक्रवार 15 नवम्बर 2024

किसी भी फसल अवशेष या पराली में आग लगाना कानूनी अपराध है, किसान उचित प्रबंधन करें

पारसुपुरा में किसान गोष्ठी में `रावे' के तहत कृषकों को दी गई विशेष जानकारी

बकेवर (इटावा)। जनता कॉलेज बकेवर कृषि छात्रों के रावे कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम परसूपुरा में एक किसान गोष्ठी/प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

जनता कॉलेज के प्राचार्य डॉ. राजेश किशोर त्रिपाठी के निदेशानुसार रावे कार्यक्रम के संयोजक डॉ. एमपी सिंह ने कहा कि इस समय धान की कटाई चल रही है किसान फसल अवशेषों विशेषत: पराली में आग लगा देते हैं किसी भी फसल अवशेष या पराली में आग लगाना कानूनी अपराध है, अत: किसान धान की पराली का उचित प्रबंध विभिन्न तरीके से करे। जैसे पराली से भूसा बनाना, कंपोस्ट बनाना, फसल अवशेषों व पराली को भूमि में जोत कर मिलाकर सड़ा गला कर खाद बनाना आदि तरीके से उचित उपयोग कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि किसान सरसों की फसल में शस्य तकनीकी जैसे विरलीकरन टॉपिंग व शस्य रसायनों का उपयोग कर अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं, गेहूं व अन्य खाद्यान्न की फसलों की समय पर बुवाई करें अच्छी गुणवत्तापूर्ण अधिक उपज देने वाली प्रजाति एचडी 2967 की बुवाई करें, साथ ही पहली सिंचाई बुवाई के 21 से 25 दिन बाद व अन्य सिंचाई 20 दिन के अंतराल पर करनी चाहिए दिसंबर माह में बुवाई लेट होती है यदि करनी पड़े तो गेहूं के बीज को भिगोकर बीज की मात्रा सवा गुना कर बोए। उद्यान विज्ञान विभाग के डॉ. संजीव कुमार ने बागवानी एवं सब्जी उत्पादन की नवीनतम तकनीकी के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि किसानों को अधिक आय लेने के लिए बे मौसम में पॉलीहाउस विधि से सब्जी उत्पादन अधिक लाभकारी हो सकता है साथ ही परंपरागत धान –गेहूं की खेती के स्थान पर अधिक आय प्राप्त करने के लिए सब्जी उत्पादन एवं फल उत्पादन पर अधिक ध्यान केंद्रित करना चाहिए। गोष्ठी में उपस्थित विषय विशेषज्ञ एसडीओ कृषि हर्ष कुमार ने कृषि संबंधी विभिन्न योजनाओं और किसानों को दी जाने वाली छूट के बारे में जानकारी दी। गोष्टी की अध्यक्षता ग्राम प्रधान हाकिम सिंह ने की।

पराली में न लगाएं आग, बनाएं खाद

रावे के तहत परसूपुरा गांव में हुआ किसान गोष्ठी एवं प्रशिक्षण का आयोजन

संवाद न्यूज एजेंसी

बकेवर। जनता कॉलेज बकेवर में रावे कार्यक्रम के तहत परसूपुरा में किसान गोष्ठी एवं प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। गोष्ठी में किसानों को पराली न जलाने के साथ पराली जलाने से होने वाले नुकसान के बारे में बताया गया।

गोष्ठी को संयोजक डॉ. एमपी सिंह ने कहा कि किसी भी फसल अवशेष या पराली में आग लगाना कानूनी अपराध है। किसान धान की पराली का उचित प्रबंध कई तरीके से कर सकते हैं। पराली से भूसा बनाना, कंपोस्ट बनाना, फसल अवशेषों व पराली को भूमि में जोत मिलाकर सड़ा गला कर खाद बनाया जा सकता है।

जनता कॉलेज के जागरुकता गोष्ठी में शामिल किसान। संवाद

उन्होंने बताया कि किसान सरसों की फसल में शस्य तकनीकी जैसे विरलीकरन टॉपिंग व शस्य रसायनों का उपयोग कर अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं। गेहूं व अन्य खाद्यान्न की फसलों की समय पर अच्छी गुणवत्तापूर्ण अधिक उपज देने वाली प्रजाति एचडी 2967 की बुआई करें।

साथ ही पहली सिंचाई बुआई के 21 से 25 दिन बाद व अन्य सिंचाई 20 दिन के अंतराल पर करनी चाहिए। दिसंबर माह में बुआई लेट होती है। यदि करनी पड़े तो गेहूं के बीज को भिंगोकर बीज की मात्रा सवा गुनी अधिक करें। बुआई के समय यूरिया का इस्तेमाल न करें।